गोरखपुर से प्रकाशित
RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841
Si न्यूज़
साप्ताहिक
स्वदेशी इनक्रेडिबल
Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in
सिर्फ सच के साथ...
वर्ष : 03 अंक: 31 | गोरखपुर रविवार 25 जनवरी 2026 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना यूपी: योगी

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि असीम संभावनाओं का हमारा प्रदेश आज संघर्ष और नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ते हुए बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक वीडियो संदेश में कहा, उत्तर प्रदेश भारत की संस्कृति, साहित्य, संगीत, कला और आध्यामिक चेतना का प्राचीन काल से केंद्र रहा है। अयोध्या की मयार्दा, काशी की शाश्वत चेतना, ब्रज धाम की भक्ति और प्रयागराज की समरसता ने युगों–युगों से भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संजोए हुए अमृतकाल में हमारा प्रदेश समावेशी विकास के संकल्प को धरातल पर साकार कर रहा है। दृढ़ संकल्प

के साथ हमने कानून व सुशासन का राज स्थापित किया है।ष लेबर रिफॉर्म, एमएसएमई, स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट जैसे कार्यक्रमों ने प्रदेश को लोकल से ग्लोबल की दिशा में अग्रसर करते हुए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन किया है। सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के फलस्वरूप महिलाओं की श्रमबल भागीदारी मेंऐतिहासिक वृद्धि हुई है।

यूपी दिवस 2026 पर पीएम मोदी का आह्वान...

विकास के हर पैमाने पर उत्तर प्रदेश को शीर्ष बनाने का लें संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राज्य के लोगों से आह्वान किया कि वे विकास के हर पैमाने पर राज्य को शीर्ष बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश दिवस की बधाई दी। योगी ने मोदी के पत्र को एक्सश पर साझा करते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश दिवस के पावन अवसर पर आत्मीय एवं प्रेरणादायी शुभकामनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार। मोदी ने पत्र में लिखा, आज का यह दिन उत्तर प्रदेश के हर नागरिक के लिए संकल्प का भी अवसर है। उत्तर प्रदेश के सभी निवासियों को विकास के हर पैमाने पर राज्य को शीर्ष बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ना होगा। मोदी ने उत्तर प्रदेश के

लोगों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे राज्य को आत्मनिर्भर अभियान, मिशन विनिर्माण एवं हरित ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी बनाएंगे। उन्होंने कहा, जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और जब हम सामूहिक शक्ति से विकास का निर्धारित लक्ष्य लेकर चलेंगे तो उत्तर प्रदेश की प्रगति से देश के विकास को भी नयी गति मिलेगी।

यूपी भारत की धड़कन और आत्मा...

15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं: अमित शाह

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी

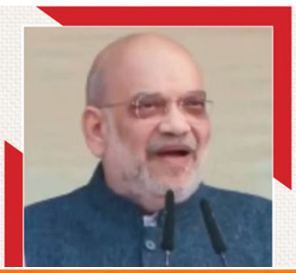

कांग्रेस, सपा, बसपा ने यूपी को बीमारू राज्य बनाया। योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। इसे देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनाया।

वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं। यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा।

सम्पादकीय...

अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है।

राशिफल

मेष:- पुराने गलतियो से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरे से परिजनो के दिल में जगह बनावें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

बृषभ:- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मिथुन:- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न गंवायें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहो की प्रतिकूलता से बिमार पड़ सकता है।

कर्क:- सब कुछ सामान्यत: ठीक होते हुए भी मन में अरुचितकर लगेगा। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट होगा। पिता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह:- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें, नुकशान हो सकता है।

कन्या:- प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित हो सकता है। कल्पनाओं में जीना छोड़ कर भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयास करें।

तुला:- योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन मौज मस्ती समय ब्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तिब्र होगा।

वृश्चिक:- नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन अत्यंत प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न शील बनें।

धनु:- नए क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव है। समस्याओ के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नए सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाईयां दूर होंगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर:- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव पहुंच सकता है।

कुंभ:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप का कारण बन सकता है। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मीन:- मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को क्यों छिपाया?

नीरज कुमार दुबे

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था। इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया। आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल वाताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है। सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे। प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश भर से वे लोग

एकत्र हुए थे जो नेताजी से प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार का विश्वास इससे अलग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा। प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं। देखा जाये तो आजादी के बाद सत्ता की राजनीति ने चुन चुन कर नायकों को गढ़ा और कुछ नायकों को मिटाने की कोशिश की। नेताजी की विरासत को पाठ्यपुस्तकों में सीमित कर दिया गया था लेकिन मोदी सरकार ने इस चुप्पी को तोड़ा।

कुछ खास...

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

मेरे पिता आर्मी में थे। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने शिरकत की थी। आज के

पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद दारजी यानी मेरे पिता अलग-अलग पोस्टिंग्स से होते हुए कानपुर पहुंचे, जहां मेरा बचपन बीता। आर्मी से होने के कारण दारजी की नजर में सफलता के पैमाने मिलिट्री के ही थे। लेकिन मैं शारीरिक तौर पर कमजोर था, कंधे झुके थे, शमीलों और एक स्पीच-डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था। मैं उनकी नजरों में एक निराशा ही था। बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया था, लेकिन फिर मैंने इस बात का पॉजिटिव पहलू देखा और मानने लगा कि उनकी नजरअंदाजी मेरे लिए अच्छी है। मुझ पर अपने दोनों भाइयों की तरह आर्मी जॉइन करने का दबाव नहीं था। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपना रास्ता चुनने की आजादी दी। मां को जरूर मुझ पर और गणित के प्रति मेरे रुझान पर भरोसा था। जब पिता पोस्टिंग पर होते तो घर के बजट का जिम्मा वो मुझे सौंप देतीं। 13 साल की उम्र में मैंने हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई की और गणित और विज्ञान में माहिर हो गया। मेरी जिज्ञासाओं ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। अच्छी बात यह थी कि उस समय देश में नॉलेज-इकोनॉमी कदम रख रही थी। घर के पास एक वेलफेयर लाइब्रेरी थी, जहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाएं पढ़ने की जगह मिली। लाइफ मैगजीन के नए अंक पढ़ता तो एक नई दुनिया में पहुंच जाता, जो मेरे हालात से बिलकुल विपरीत थी- लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घरों और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें आने वाले कल की उम्मीद की नई खिड़कियां थीं, जहां मुझे मेरा सपना दिख रहा था। स्कूलिंग के बाद मेरा सिलेक्शन आईआईटी बॉम्बे में हो गया। लेकिन पिता को लगा मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूं। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बताया कि आईआईटी में सिलेक्शन कितनी बड़ी बात है। उस दिन पहली बार घर लौटकर उन्होंने मुझे शाबाशी दी। मेरा यकीन पक्का हो गया कि तमाम नकारात्मक चुनौतियों, लगातार रिजेक्शन से सामना और ऐसे कई अंधेरों में छिपा एक जादुई, चमकीला सपना जरूर होता है, जिसे आपको खुद खोजना पड़ता है। आईआईटी में मैंने जो सीखा, वो आज तक कायम है- सवाल पूछो, बेसिक्स मजबूत करो और समाधान निकालो। फंडामेंटल्स यानी बेसिक्स पर बार-बार सवाल पूछते रहने की वजह से मेरा निक-नेम फंडा सिंह पड़ गया था। भारतीय मध्यमवर्ग की सोच बहुत साफ है। घर-घर में यही आवाज गूंजती है- डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो। लेकिन कभी कोई माता-पिता यह नहीं कहते- बेटा, उद्यमी बनो। इसके बाद सलाह मिलती है- अच्छी नौकरी पकड़ो, शादी करो, जिम्मेदार बनो। यानी एक लकीर पर चलते रहने को अनुशासन मान लिया जाता है। अनुशासन का मतलब है वही करना जो समाज आपसे उम्मीद करता है। मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी और परिवार द्वारा चुनी गई लड़की से शादी को समझदारी माना जाता है। यही सलाह आपको अपने दिल की आवाज सुनने से रोकती है। उद्यमी बनना इस सब अपेक्षाओं के खिलाफ जाना है। यह रास्ता कठिन है, अकेला है और इसमें किसी से सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए।

अजीत कुमार की 'मनकथा' का बॉक्स ऑफिस पर कोहराम, री-रिलीज प्री-सेल्स में विजय की 'घिल्ली' का रिकॉर्ड तोड़ा, रचा नया इतिहास

दक्षिण भारतीय सिनेमा के 'थला' कहे जाने वाले सुपरस्टार अजीत कुमार की प्रतिष्ठित फिल्म 'मनकथा' ने अपनी री-रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी है। अपनी पहली रिलीज के 15 साल बाद जब यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को दोबारा सिनेमाघरों में उतरी, तो इसने न केवल पुराने रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि तमिलनाडु फिल्म इंडस्ट्री में सफलता का एक नया पैमाना स्थापित कर दिया। तमिलनाडु के बॉक्स ऑफिस पर अब तक री-रिलीज फिल्मों में थलापति विजय की फिल्म 'घिल्ली' का दबदबा था। लेकिन 'मनकथा' की एडवांस बुकिंग ने सभी समीकरण बदल दिए हैं। फिल्म'मनकथा' ने अपने ओपनिंग डे के लिए 2.20 करोड़ रुपये से अधिक की प्री-सेल्स दर्ज की है। इससे पहले विजय की 'घिल्ली' ने 2.15 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड बनाया था, जिसे अब 'थला' की फिल्म ने पीछे छोड़ दिया है। ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के अनुसार, 'मनकथा' पहली ऐसी री-रिलीज फिल्म बन गई है जिसने BookMyShow पर 1,00,000 (100k) से ज्यादा टिकटें बेची हैं। इंडस्ट्री के जानकारों ने मनकथा की शानदार प्री-सेल्स पर ध्यान दिया है और बताया है कि अजीत स्टारर फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने री-रिलीज के दिन, अजित और विजय के साथ 'मनकथा' के सेट पर ली गई एक यादगार तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, "आज से मनकथा को फिर से जीने का समय आ गया है!! कृपया क्लाइमेक्स का खुलासा न करें.. और अनुभव खराब न करें!! यह तस्वीर #मनकथा शूट के दौरान का एक यादगार पल है!!! जो निकट भविष्य में कभी नहीं हो सकता!! उम्मीद है और काश मैं गलत हूँ!!! चलो मनकथा का आनंद लें ." 'मनकथा' की कहानी विनायक महादेवन नाम के एक सस्पेंड पुलिस ऑफिसर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अवैध सट्टेबाजी के पैसे से जुड़ी एक बड़ी डकैती की योजना बनाने वाले गैंग में शामिल हो जाता है। किरदार की चालाक योजनाएं और बदलती वफादारियां फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाती हैं, और आखिर में विनायक खुद को "किंगमेकर" बताता है। 'मनकथा' की कास्ट में अर्जुन सरजा, तृषा कृष्णन, राय लक्ष्मी, अंजलि, एंड्रिया यिर्मयाह, वैभव, अश्विन काकुमानु और प्रेमजी अमरेन मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्होंने री-रिलीज वीकेंड पर इसकी व्यापक लोकप्रियता में योगदान दिया।

'मर्दानी 3' से पहले रानी मुखर्जी का बड़ा धमाका

कपिल के मंच पर शाहरुख, सलमान और आमिर के साथ मचाएंगी गदर!

एक्ट्रेस रानी मुखर्जी अपनी फिल्म मर्दानी 3 को प्रमोट करने के लिए कपिल शर्मा और द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 4 की कास्ट के साथ एक मजेदार एपिसोड में शामिल होंगी। यह आने वाला एपिसोड, जो इस शनिवार को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा, कॉमेडी, फिल्म प्रमोशन और कैंडिड पलों का एक शानदार कॉम्बिनेशन होगा। इस एपिसोड में जाने-माने कॉमेडियन बॉलीवुड हस्तियों की मिमिक्री करते नजर आएंगे। सुनील ग्रोवर कई स्केच में आमिर खान और सलमान खान का किरदार निभाएंगे, जबकि कृष्णा अभिषेक शाहरुख खान और गोविंदा का रोल करेंगे। कीकू शारदा सैफ अली खान के रूप में नजर आएंगे, जो इसमें और भी ह्यूमर और एनर्जी डालेंगे। मेकर्स के अनुसार, एक्ट्रेस नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में अपनी परफॉर्मेंस के बारे में भी बात करती नजर आएंगी। एपिसोड में, रानी बताएंगी कि उन्होंने अपनी मां के व्यवहार से प्रेरणा ली, और उन्हें "बंगाली टाइग्रेस" बताया। मुखर्जी और कास्ट के बीच की केमिस्ट्री मजाकिया बातचीत से और भी मजेदार बनेगी। सुनील ग्रोवर, आमिर खान के कॉमिक अंदाज में, एक भविष्य के प्रोजेक्ट के बारे में मजाक करेंगे, और कहेंगे कि मरदानी 4 भी हो सकती है। इसके बाद बातचीत मुखर्जी की पर्सनल लाइफ की ओर मुड़ने की उम्मीद है। होस्ट कपिल शर्मा फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछेंगे और उनसे एक रोमांटिक पार्टनर के तौर पर उन्हें रेट करने के लिए कहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुखर्जी ने 10 में से 15 का परफेक्ट स्कोर दिया। एक यादगार पल तब आएगा जब कपिल अपनी मशहूर लाइन बोलेंगे, "खंडाला में क्या करेंगे?" सुनील ग्रोवर, आमिर खान के अंदाज में, ओरिजिनल फिल्म का डायलॉग बोलकर मजाक को आगे बढ़ाएंगे। फिर वह मजाक में खंडाला में टोफू फैक्ट्री लगाने का सुझाव देंगे, जिससे और हंसी आएगी और यह कॉमिक बातचीत एक मजेदार अंदाज में खत्म होगी।

'द राजा साब' की आलोचना करने वालों की अब खैर नहीं! पुलिस के पास पहुंचे फिल्म के प्रोड्यूसर

साउथ के स्टार प्रभास की अदाकारी वाली फिल्म 'द राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मारुति के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार ने भी अभिनय किया है। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले। इसने दुनिया भर में लगभग 200 करोड़ रुपये कमाए। कुछ लोगों ने फिल्म को लेकर नेगेटिव कमेंट किए। इसे लेकर एसकेएन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। प्रेस को दिए एक बयान में, प्रोड्यूसर एसकेएन ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत उन सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ की गई है जो 'फिल्म और उसके एक्टर्स को टारगेट करते हुए अपमानजनक और गुमराह करने वाली बातें कह रहे थे'। ऐसे काम भ्रम पैदा करने और नकारात्मकता फैलाने के इरादे से किए जाते हैं। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच हो रही है।' एसकेएन ने 'द राजा साब' में क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया। फिल्म रिलीज होने से पहले, प्रोड्यूसर ने कई बार अपने दोस्त मारुति और फिल्म की तारीफ की थी। फिल्म रिलीज होने के बाद, एसकेएन उन टीम मेंबर्स में से एक थे जिन्हें ट्रोलर्स ने निशाना बनाया और फिल्म का मजाक उड़ाया। 'द राजा साब' एक ऐसे आदमी की कहानी बताती है जो अपने लापता दादा को ढूंढता है। इसके बाद वह खुद को एक ऐसी हवेली में पाता है जहां एक शक्ति का साया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 400 करोड़ रुपये में बनी थी।

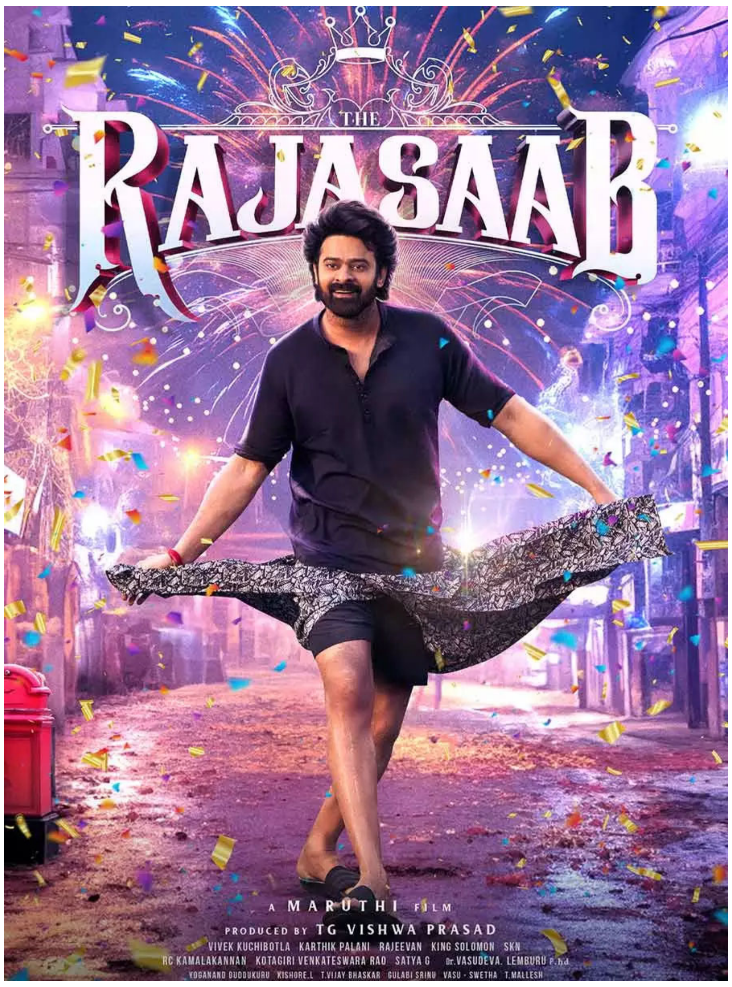

एक्शन में मुंबई पुलिस! अभिनेता कमाल राशिद खान गिरफ्तार, अंधेरी में हुई फायरिंग मामले से जुड़े तार!

बॉलीवुड के विवादित अभिनेता और खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल राशिद खान एक बार फिर कानूनी शिकंजे में फंस गए हैं। ओशिवारा पुलिस ने शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्फ्क को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी इसी महीने मुंबई के अंधेरी इलाके में हुई दो राउंड फायरिंग की घटना के सिलसिले में की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि खान को शुक्रवार देर रात पूछताछ के लिए ओशिवारा थाने लाया गया था और अभिनेता ने अपने बयान में अपने लाइसेंसी हथियार से दो गोलियां चलाने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, 18 जनवरी को अंधेरी के ओशिवारा इलाके स्थित नालंदा सोसाइटी पर दो गोलियां चलाई गईं। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान सोसाइटी परिसर पर दो गोलियां चलाये जाने की बात सामने आयी। पुलिस ने बताया कि एक गोली दूसरी मंजिल पर जबकि दूसरी चौथी मंजिल पर लगी थी। उन्होंने बताया कि जहां ये गोलियां लगी थीं उनमें से एक फ्लैट एक लेखक-निर्देशक का है, जबकि दूसरा फ्लैट एक मॉडल का है। अधिकारी ने बताया कि शुरू में पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिली क्योंकि सीसीटीवी फुटेज में उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने बताया कि हालांकि, एक फोरेंसिक विश्लेषण से संकेत मिला कि हो सकता है कि गोलियां पास में स्थित खान के बंगले से चलाई गई हों। उन्होंने कहा कि गोलीबारी का वास्तविक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि अभिनेता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

डायबिटीज, हृदय रोगों के साथ ब्रेन को भी खतरा

आप भी हैं मोटापे का शिकार तो हो जाइए सावधान

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती क्रॉनिक बीमारियों जैसे हृदय रोग-डायबिटीज और मेटाबॉलिज्म की समस्या के लिए लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इसके अलावा सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल में रखना भी बहुत जरूरी है। बढ़ते वजन या हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की स्थिति को कई जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारण पाया गया है।

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है, उनमें टाइप-2 डायबिटीज, हृदय से संबंधित बीमारियां, आर्थराइटिस का खतरा तो रहता ही है, साथ ही मोटापे को दिमागी सेहत के लिए भी खतरनाक पाया गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मोटापा आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। पहले जहां इसे केवल वयस्कों की समस्या माना जाता था, वहीं अब बच्चे और किशोर भी तेजी से मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। अधिक वजन की स्थिति शरीर के कई अंगों और प्रणालियों को प्रभावित करता है। अगर वजन को समय रहते कंट्रोल न किया जाए तो इससे आपके सोचने-समझने, निर्णय लेने और याददाश्त से संबंधित दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं।

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया है कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है उनमें भविष्य में अल्जाइमर रोग-डिमेंशिया का खतरा भी ज्यादा देखा गया है।

मोटापा के शिकार लोगों में डिमेंशिया का खतरा

इंग्लैंड की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में हुए एक अध्ययन के आधार पर दुनिया के जाने-माने स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है कि वजन अधिक होने या मोटापे के कारण व्यक्ति में डिमेंशिया का खतरा काफी बढ़ सकता है। अगर समय रहते वजन कम कर लिया जाए और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर लेते हैं तो दुनियाभर में डिमेंशिया के लाखों मामलों को रोका जा सकता है।

द जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बीएमआई और वैस्कुलर डिमेंशिया के बीच सीधा संबंध पाया है।

वैस्कुलर डिमेंशिया दिमाग में खून के प्रवाह में कमी के कारण होती है, जिससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और कोशिकाएं डेड होने लग जाती हैं। ऐसा दिमाग में छोटी खून की नसों के सिकुड़ने या उनके ब्लॉक होने की वजह से होता है, जिसे अक्सर लाइफस्टाइल कारकों या स्ट्रोक से जोड़कर माना जाता है।

मोटापा के शिकार लोगों में स्ट्रोक का खतरा भी अधिक देखा गया है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कम उम्र से ही अपने वजन को कंट्रोल रखने पर ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं।

हाई बीएमआई और डिमेंशिया का क्या लिंक है?

उम्र से जुड़ी बीमारियों की चीफ फिजिशियन और एक्सपर्ट डॉ. रूथ फ्रिके-शिमट कहती हैं, इस अध्ययन में हमने पाया कि हाई बीएमआई और हाई ब्लड प्रेशर डिमेंशिया के सीधे कारण हैं। बढ़े हुए वजन और ब्लड प्रेशर का इलाज और रोकथाम डिमेंशिया के रोकथाम में काफी मददगार हो सकता है।

इस अध्ययन के लिए 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों के वजन और उसके कारणों की जांच की गई।

जिन लोगों का बीएमआई जेनेटिकली ज्यादा था उनमें वैस्कुलर डिमेंशिया होने की आशंका अधिक पाई गई।

डिमेंशिया के बढ़े हुए खतरे का लगभग एक चौथाई हिस्सा हाई ब्लड प्रेशर की वजह से था।

विशेषज्ञों ने कहा, ये अध्ययन दिखाता है कि वजन और ब्लड प्रेशर की रोकथाम के लिए किए गए उपाय आपमें दिमाग की इस खतरनाक बीमारी के खतरे को कम करने वाले हो सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययन के लेखक और क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री के एक्सपर्ट डॉ. लिव टिबजर्ग नॉर्डेस्टगार्ड कहते हैं, डिमेंशिया एक खतरनाक बीमारी है जिससे अभी दुनिया भर में 50 मिलियन लोग प्रभावित हैं। दुर्भाग्य से इसके इलाज और बचाव के तरीके कम हैं। ये अध्ययन आपको डिमेंशिया से बचाव के लिए एक कारगर उपाय दे रहा है।

जिन लोगों के परिवार में पहले किसी को डिमेंशिया या फिर अधिक वजन की समस्या रही हो उन्हें इस बीमारी को लेकर और भी सतर्कता बरतनी चाहिए। कम उम्र से ही अगर आप वजन कंट्रोल करने वाले उपाय करते हैं तो इससे न सिर्फ ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है, साथ ही आप हृदय रोग, डायबिटीज और डिमेंशिया से भी काफी हद तक खुद को सुरक्षित कर सकते हैं।

कहीं आप भी मोटापे का शिकार तो नहीं?

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और जोड़ों की समस्याओं जैसे आर्थराइटिस का खतरा कई गुना अधिक हो सकता है। वजन चेक करने के लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की जांच को कारगर तरीका माना जाता रहा है। पर हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि मोटापे के खतरे का पता लगाने में वेस्ट-टू-हाइट रेशियो (कमर की चौड़ाई और ऊंचाई का अनुपात) बीएमआई की तुलना में ज्यादा बेहतर हो सकता है।

डॉक्टर ने बताया 'फुल बॉडी रिसेट' करने का आसान तरीका, शुगर होगा कंट्रोल और वजन में भी दिखेगा सुधार

अच्छी सेहत पाना क्या वास्तव में कठिन है? जिस तरह से दुनियाभर में कई तरह की बीमारियां बढ़ती जा रहा हैं, बच्चे भी डायबिटीज और दिल की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं ऐसे में ये सवाल लाजमी हो जाता है। इसपर डॉक्टर्स का जवाब है-नहीं। अगर समय रहते अपनी आदतों, खानपान में सुधार कर लिया जाए तो न सिर्फ शरीर को फिट रखा जा सकता है बल्कि कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों से भी बचाव होता है।

कई अध्ययन इस बात पर जोर देते हैं कि अगर हम सभी सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लेते हैं तो इससे 40% बीमारियों का खतरा घट सकता है। तेज रफ्तार वाली जिंदगी में हम जाने-अनजाने ऐसी चीजें रोजाना खाते रहते हैं जिनमें चीनी और नमक दोनों की अधिकता होती है। चीनी और नमक का अधिक सेवन मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ा देता है।

हार्वर्ड और एम्स में अपनी सेवाएं दे चुके वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी कहते हैं, अगर कुछ दिनों के लिए हम सिर्फ चीनी खाना छोड़ देते हैं तो इससे बॉडी रिसेट होने लगती है और सेहत में तेजी से सुधार होने लग सकता है।

दो हफ्ते चीनी छोड़ने से बेहतर होने लगती है सेहत

प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि किस तरह से स्वास्थ्य विशेषज्ञ पैक्ड जूस और एनर्जी ड्रिंक्स को सेहत के लिए हानिकारक मानते हैं, क्योंकि इनमें चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है। इस तरह के मीठे पेय को लिवर डैमेज करने वाला बताया गया है। चीनी और इससे बनी चीजें निश्चित रूप से हमारी डाइट का एक जरूरी हिस्सा बन गई है, लेकिन इनका ज्यादा सेवन आपको गंभीर रोगों का शिकार भी बना सकता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी कहते हैं, अगर दो हफ्ते के लिए भी आप अपनी डाइट से शुगर कम कर लेते हैं या चीनी बिल्कुल छोड़ देते हैं तो कुछ ही दिनों में शरीर पर इसका बेहतर असर दिखना शुरू हो जाता है।

किस उम्र तक लगवा सकती हैं सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन? देर न करें वरना बढ़ जाएंगी मुश्किलें

कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारी है, इसका खतरा अब युवाओं और बच्चों में भी देखा जा रहा है। पुरुषों में लंग्स और मुंह के कैंसर जबकि महिलाओं में ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जा रहे हैं। कैंसर के बढ़ते मामलों के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ खराब जीवनशैली,

खानपान से संबंधित गड़बड़ी, शारीरिक गतिविधियों की कमी, बढ़ते तनाव और हार्मोनल असंतुलन को प्रमुख कारण मानते हैं।

वर्ल्ड कैंसर केयर की एक रिपोर्ट की अनुसार महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के मामले काफी चिंता बढ़ाने वाले हैं। हालांकि अच्छी बात ये है कि सही समय पर जागरूकता, नियमित जांच और बचाव के उपायों को अपनाकर आप सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी कम भी कर सकती हैं।

सर्वाइकल कैंसर और इसकी वैक्सीन

सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय के निचले हिस्से यानी सर्विक्स में होता है। इसके लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वायरस के संक्रमण को प्रमुख कारण माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भारतीय महिलाओं में जागरूकता और इस कैंसर के बारे में जानकारी कम होने के कारण समय पर रोग का पता नहीं चल पाता है, जिसके कारण ये कैंसर और इससे होने वाले मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) दिल्ली ने फ्री सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शुरू की है। जनवरी को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है, इसके तहत 31 जनवरी तक महिलाएं फ्री में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग यहां करा सकती हैं।

वैक्सीनेशन कब करानी चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सभी महिलाओं को अपने डॉक्टर की सलाह पर टीका जरूर लगवाना चाहिए। हालांकि इस वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में कई सारे सवाल रहते हैं? किस उम्र की महिलाएं टीका लगवा सकती हैं, क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? आइए इस बारे में जानते हैं।

सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन महिलाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से होने वाले संक्रमण और इसके जोखिमों से बचाने में मदद करती है।

वैक्सीन लगवाने की सबसे सही उम्र 9 से 14 वर्ष के बीच मानी जाती है। इस उम्र में वैक्सीन सबसे ज्यादा प्रभावी होती है।

इस आयु वर्ग की लड़कियों को वैक्सीन की दो डोज दी जाती हैं। पहली डोज के बाद दूसरी डोज 6 से 12 महीने के अंतराल पर लगाई जाती है।

अध्ययनों में पाया गया है कि इस उम्र में दो डोज ही शरीर में पर्याप्त इम्युनिटी विकसित कर देती हैं।

26-45 की उम्र में एचपीवी वैक्सीन

मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन 26 साल तक के उम्र के महिलाएं भी लगवा सकती है। इसमें वे लोग शामिल हैं जिन्होंने बचपन, टीनएज या युवावस्था में पहली डोज तो ले ली थी, लेकिन इसे पूरा नहीं किया।

साल 2018 में, फेडरल ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने उम्र की सीमा 26 से बढ़ाकर 45 कर दी। यह संशोधन उस अध्ययन पर आधारित था जिसमें दिखाया गया था कि यह वैक्सीन इस उम्र के वयस्कों में भी संक्रमण को रोकती है।

किसे एचपीवी वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो ये वैक्सीन सभी के लिए सुरक्षित है हालांकि कुछ स्थितियों में टीकाकरण न कराने की सलाह दी जाती है।

गर्भावस्था के दौरान वैक्सीन की सुरक्षा के बारे में ज्यादा अध्ययन नहीं हुई है, इसलिए बच्चे के जन्म के बाद इसे लगवाना सबसे अच्छा है।

अगर वैक्सीन लेने के बाद आपको पता चलता है कि आप प्रेग्नेंट हैं, तो चिंता न करें। विशेषज्ञ कहते हैं इससे गर्भावस्था में कोई दिक्कत नहीं आती है।

अगर आपको पिछले वैक्सीन डोज से कोई गंभीर रिएक्शन हुआ था, तो अगली डोज लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

वैक्सीन में वायरस का एक सिमुलेशन होता है। वैक्सीन आपके इम्यून सिस्टम को एचपीवी से लड़ने वाली एंटीबॉडी बनाने के लिए उत्तेजित करती है। अगर आप असली वायरस के संपर्क में आते हैं, तो ये एंटीबॉडी उसे संक्रमण फैलाने से रोकती हैं। इसलिए टीकाकरण कराना सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अच्छा तरीका माना जाता है।

भारत ने टी20 में छह बार 200+ के टारगेट को सफलतापूर्वक हासिल किया, कीवी-कंगारू सबसे पसंदीदा शिकार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को

भारत के 200+ रन चेज
टी-20 अंतरराष्ट्रीय

लक्ष्य	खिलाफ	स्थान	साल
209	न्यूजीलैंड	रायपुर	2026
209	ऑस्ट्रेलिया	विशाखापत्तनम	2023
208	वेस्टइंडीज	हैदराबाद	2019
207	श्रीलंका	मोहाली	2009
204	न्यूजीलैंड	ऑकलैंड	2020
202	ऑस्ट्रेलिया	राजकोट	2013

न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 209 रन के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 15.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। यह भारत का टी20 में छठा सफल 200+ रन का चेज रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा बार 200+ रन के सफल चेज के मामले में भारत ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने सात बार ऐसा किया है। वहीं, भारत के बाद दक्षिण अफ्रीका का नाम आता है। उसने पांच बार ऐसा किया है। 200+ रन के चेज में भारत के पसंदीदा शिकार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड रहे हैं। इन दोनों टीमों के खिलाफ भारत ने दो-दो बार ऐसा किया है। टी20 विश्व कप 2026 से ठीक पहले इतना बड़ा स्कोर चेज करने से भारत को जरूर बूस्ट मिलेगा। साथ ही खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भी जगेगा। भारत 2026 टी20 विश्व कप में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा।

6. लक्ष्य- 202 रन ५२ ऑस्ट्रेलिया (राजकोट 2013)

भारत ने 2013 में राजकोट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 202 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए थे। एरॉन फिंच ने 52 गेंद में 14 चौके और एक छक्के की मदद से 89 रन की तूफानी पारी खेली थी। जवाब में भारत ने 202 रन का लक्ष्य 19.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। शिखर धवन ने 19 गेंद में 32 रन बनाए थे, जबकि विराट कोहली ने 22 गेंद में 29 रन की पारी खेली थी। सुरेश रैना ने 19 रन और रोहित शर्मा ने आठ रन बनाए थे। हालांकि, मैच के हीरो रहे युवराज सिंह। युवी ने 35 गेंद में आठ चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 77 रन बनाए थे। वहीं, कप्तान धोनी 24 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

5. लक्ष्य- 204 रन ५२ न्यूजीलैंड (ऑकलैंड 2020)

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में साल 2020 में 204 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 203 रन बनाए थे। मार्टिन गुप्टिल ने 19 गेंद में 30 रन की पारी खेली थी। वहीं, कॉलिन मुनरो ने 42 गेंद में 59 रन और कप्तान केन विलियम्सन 26 गेंद में 51 रन की पारी खेली थी। रॉस टेलर ने 27 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली। जवाब में भारत ने 19 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। केएल राहुल ने 27 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 56 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान विराट कोहली ने 32 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाए थे। श्रेयस अय्यर 29 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

4. लक्ष्य- 207 रन ५२ श्रीलंका (मोहाली 2009)

भारत ने 2009 में मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ 207 रन का सफल चेज किया था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाए थे। सनथ जयसूर्या ने 21 गेंद में 31 रन और कप्तान कुमार संगकारा ने 31 गेंद में 59 रन की पारी खेली थी। चिंथाका जयसिंघे ने 28 गेंद में 38 रन बनाए थे। आखिर में एंजेलो मैथ्यूज ने 13 गेंद में 26 रन की तूफानी पारी खेली थी। जवाब में भारत ने 19.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। गौतम गंभीर ने 18 गेंद में 21 रन बनाए। वहीं, वीरेंद्र सहवाग ने 36 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन की पारी खेली थी। कप्तान एमएस धोनी ने 28 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 46 रन बनाए। युवराज सिंह ने 25 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के की मदद से नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी।

3. लक्ष्य- 208 रन ५२ वेस्टइंडीज (हैदराबाद 2019)

भारत ने 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 208 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 207 रन बनाए थे। एविन लुईस ने 17 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 40 रन की तूफानी पारी खेली थी। ब्रैंडन किंग ने 23 गेंद में 31 रन और कप्तान कीरोन पोलार्ड ने 19 गेंद में 37 रन बनाए थे। शिमरोन हेटमायर ने 41 गेंद में 56 रन की पारी खेली थी। आखिर में जेसन होल्डर ने नौ गेंद में तूफानी 24 रन बनाए। जवाब में भारत ने 208 रन का लक्ष्य 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। केएल राहुल ने 40 गेंद में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 62 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान विराट कोहली ने 50 गेंद में छह चौके और छह छक्के की मदद से नाबाद 94 रन बनाए थे।

2. लक्ष्य- 209 रन ५२ ऑस्ट्रेलिया (विशाखापत्तनम 2023)

भारत ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 रन के लक्ष्य को आठ विकेट गंवाकर हासिल किया था। कंगारुओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 208 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ ने 41 गेंद में 52 रन और जोश इंग्लिस ने 50 गेंद में 11 चौके और आठ छक्के की मदद से 110 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 209 रन के लक्ष्य को 19.5 ओवर में आठ विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। ईशान किशन ने 39 गेंद में दो चौके और पांच छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली थी। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 42 गेंद में नौ चौके और चार छक्के की मदद से 80 रन बनाए। रिंकू सिंह ने 14 गेंद में 22 रन की पारी खेली थी। संयोगवश न्यूजीलैंड के खिलाफ चेज में भी ईशान और सूर्यकुमार का ही बल्ला चला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच सूर्यकुमार रहे थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान किशन।

1. लक्ष्य- 209 रन ५२ न्यूजीलैंड (रायपुर 2026)

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 200+ रन का सबसे सफल चेज किया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 208 रन बनाए। टिम साइफर्ट ने 24 रन, ग्लेन फिलिप्स ने 19 रन और डेरिल मिचेल ने 18 रन की पारी खेली। रचिन रवींद्र ने 26 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से 44 रन बनाए। वहीं, कप्तान मिचेल सैंटनर ने 27 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 47 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। जवाब में भारत ने 209 रन का लक्ष्य केवल 15.2 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, 28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की

कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है।

बजट सत्र की शुरूआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे।

1 फरवरी को बजट, इतिहास में दुर्लभ मौका

इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा।

विपक्ष-सत्ता पक्ष आमने-सामने

यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है, जब विपक्षी कांग्रेस ह्यविकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियमह्ण को लेकर देशभर में अभियान चला रही है। कांग्रेस का कहना है कि यह कानून यूपीए काल की मनरेगा व्यवस्था की जगह लाया गया है। वहीं, भाजपा इस नए कानून को सुधारवादी बताते हुए पुरानी व्यवस्था की खामियां दूर करने की जरूरत पर जोर दे रही है। साफ है कि सत्र के दौरान इस मुद्दे पर तीखी बहस के आसार हैं।

लंबित विधेयक और वैश्विक दबाव

लोकसभा में फिलहाल नौ विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। ये विधेयक संसदीय समितियों के पास विचाराधीन हैं। इसके अलावा, बजट ऐसे समय में पेश हो रहा है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर दिख रहा है। संसद सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर 2 से 4 फरवरी तक चर्चा होगी, जबकि 28 जनवरी और 1 फरवरी को शून्यकाल नहीं होगा।

तीन साल बाद राज्यों का राजकोषीय घाटा 3% के पार; 2024-25 में जीडीपी के 3.3% पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन साल तक अपने खर्चों को काबू में रखने के बाद, भारतीय राज्यों का राजकोषीय घाटा एक बार फिर बढ़ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का कुल घाटा बढ़कर जीडीपी के 3.3% पर पहुंच गया है, जो इससे पहले 3% से नीचे बना हुआ था हालांकि, राहत की बात यह है कि घाटे में यह बढ़ोतरी राज्यों की खराब वित्तीय स्थिति के कारण नहीं, बल्कि विकास कार्यों (पूंजीगत निवेश) के लिए केंद्र सरकार से मिले 50 साल के ब्याज-मुक्त कर्ज को लेने की वजह से हुई है।

घाटे में वृद्धि का मुख्य कारण: पूंजीगत निवेश

आरबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि घाटे का 3% की सीमा से ऊपर जाना अनिवार्य रूप से खराब वित्तीय प्रबंधन का संकेत नहीं है। यह वृद्धि मुख्य रूप से केंद्र सरकार की ओर से 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता' योजना के तहत दिए गए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋणों को दर्शाती है। यह उधारी राज्यों की सामान्य शुद्ध उधार सीमा से ऊपर है, जिसका सीधा असर राजकोषीय आंकड़ों पर पड़ा है। आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी, राज्यों ने अपने सकल राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.3% पर ही बजट किया है, हालांकि इस दौरान राजस्व व्यय को नियंत्रित करके खर्च की संरचना में सुधार करने का लक्ष्य रखा गया है।

कर्ज की स्थिति: सुधार के बाद मामूली बढ़ोतरी के संकेत

राज्यों की कुल देनदारियों के मोर्चे पर रिपोर्ट मिश्रित लेकिन सकारात्मक संकेत देती है। गिरावट का दौर: मार्च 2021 के अंत में राज्यों की समेकित देनदारियां GDP के 31% के शिखर पर थीं, जो वित्तीय समेकन के प्रयासों और अनुकूल ऋण गतिशीलता के कारण मार्च 2024 के अंत तक घटकर 28.1% रह गईं।

भविष्य का अनुमान: हालांकि, मार्च 2026 के अंत तक इन देनदारियों के बढ़कर ॠद्ध के 29.2% होने का अनुमान बजट में लगाया गया है।

बावजूद इसके, केंद्रीय बैंक ने जोर देकर कहा है कि कर्ज का स्तर ऊंचा होने के बाद भी, ऋण स्थिरता (Debt Sustainability) के संकेतक अनुकूल बने हुए हैं।

जनसांख्यिकीय बदलाव: राज्यों के लिए नई चुनौती और अवसर

इस वर्ष की आरबीआई की रिपोर्ट का केंद्रीय विषय 'भारत में जनसांख्यिकीय संक्रमण - राज्य वित्त के लिए निहितार्थ' था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का एलान, इस स्टार ओपनर की हुई वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया, जिसमें स्टार खिलाड़ियों भरे हुए हैं। साथ ही टीम में स्टार ओपनर प्रतिका रावल की भी वापसी हुई है, जो पिछले काफी समय से पैर में चोट की वजह से बाहर हैं। प्रतिका को विश्व कप के दौरान चोट लगी थी और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रही हैं, लेकिन टेस्ट से वह वापसी करने जा रही हैं। उन्हें दौरे पर वनडे और टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। यह देखने वाली बात होगी कि प्रतिका और शेफाली में से टेस्ट में किसे ओपनिंग का मौका मिलता है।

छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा मैच

यह चार दिवसीय टेस्ट मैच पर्थ के मैदान पर छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। टीम की कमान हरमनप्रीत कौर ही संभालेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। यह टेस्ट मैच भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी में खेला जाएगा। इस दौरे की शुरूआत फरवरी के मध्य में होगी। इसके बाद सीमित ओवरों के प्रारूप के छह मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज की शुरूआत तीन टी20 मैचों से होगी, फिर तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दौरे का पहला मुकाबला सिडनी में 15 फरवरी को टी20 के रूप में खेला जाएगा।

भारतीय महिला टेस्ट टीम इस प्रकार है: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में भारी बर्फबारी की आशंका, 8000+ उड़ानें रद्द; एअर इंडिया ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्वी तट पर न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार से सोमवार तक भारी बर्फबारी की आशंका है। इसके साथ ही भीषण शीतकालीन तूफान का अनुमान भी जताया गया है। इसका असर उड़ानों पर पड़ सकता है। ऐसे में एअर इंडिया ने यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा, सुविधा और कल्याण को ध्यान रखते हुए 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

एअर इंडिया ने क्या कहा?

एअर इंडिया ने कहा कि जिन यात्रियों की इन तारीखों में उड़ान बुक हैं, उन्हें उनकी समर्पित टीमें हरसंभव मदद प्रदान करेंगी। इससे जुड़ी अधिक जानकारी के लिए यात्री एअर इंडिया के 24X7 कॉल सेंटर +91 1169329333 और +91 1169329999 पर संपर्क कर सकते हैं। एयरलाइन ने बताया कि यात्रियों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे एअर इंडिया की वेबसाइट http://airindia.com पर

जानकारी जांच करते रहें। एअर इंडिया ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद कहा।

अमेरिका में आठ हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

भीषण शीतकालीन तूफान की आशंका के चलते अमेरिका में सप्ताहांत की 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं।

मौसम खराब होने से कई इलाकों में भारी नुकसान, लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित होने और जनजीवन प्रभावित होने की चेतावनी दी गई है।तूफान के कारण प्रमुख सड़कों पर यातायात भी बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने क्या कहा?

मौसम विभाग के अनुसार, शीतकालीन तूफान की चेतावनी के दायरे में न्यू मैक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 14 करोड़ लोग हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी होगी और पूर्वी टेक्सास से नॉर्थ कैरोलिना तक खतरनाक बर्फ जमने की स्थिति बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जिन इलाकों में बर्फ जमने की संभावना है, वहां हालात इतने खराब हो सकते हैं कि नुकसान किसी बड़े तूफान या चक्रवात जैसा हो सकता है।

कई राज्यों ने मौसम को लेकर चेतावनी जारी की

एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के गवर्नर्स ने खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। कई जगह आपातकाल घोषित किया गया है और लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि राज्य का परिवहन विभाग सड़कों पर पहले से तैयारी कर रहा है। उन्होंने लोगों से कहा, अगर संभव हो तो घर पर ही रहें। उड़ानों की निगरानी करने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, शनिवार को 3,400 से ज्यादा उड़ानें रद्द की गईं या उनमें देरी हुई, जबकि रविवार के लिए 5,000 से ज्यादा उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई थीं। एंजेला एक्सस्ट्रॉम मेक्सिको यात्रा के बाद नेब्रास्का के ओमाहा लौटने वाली थीं, लेकिन उन्हें पता चला कि ह्यूस्टन से शनिवार की उनकी उड़ान रद्द कर दी गई है। अब वह लॉस एंजिलिस के रास्ते वापस लौट रही हैं।

मानवाधिकार परिषद में ईरान के साथ खड़े हुए भारत-पाकिस्तान और चीन

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 39वें विशेष सत्र में शुक्रवार को भारत ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को चौंका दिया। दरअसल, इस सत्र में ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर पश्चिमी देशों की ओर से एक निंदा प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन भारत ने खुले तौर पर इसमें ईरान का साथ दिया और इस प्रस्ताव के विरोध में वोट किया।

इस प्रस्ताव में क्या था?

आइए सबसे पहले जानते हैं कि यह प्रस्ताव क्या था और इसका मकसद क्या था। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव संख्या ए/एचआरसी/एस/एल.1 पेश किया गया, जिस पर मतदान किया गया। इस प्रस्ताव का मकसद 'इस्लामी गणराज्य ईरान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति' की निंदा करना था। खासतौर पर ईरान में पिछले महीने भड़के विरोध प्रदर्शनों और हजारों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह प्रस्ताव लाया गया था। पश्चिमी देश चाहते थे कि संयुक्त राष्ट्र ईरान पर सख्त रुख अपनाए। लेकिन वैश्विक दक्षिण के कई अहम देशों ने इसे खारिज किया और पश्चिमी एजेंडा करार दिया।

प्रस्ताव के पक्ष-विपक्ष में कितने वोट पड़े?

प्रस्ताव में तेहरान से मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने की मांग की गई थी। इसे 47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया। परिषद के 25 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। जबकि 14 सदस्य देश इसमें तटस्थ रहे। वहीं सात देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया, जिनमें भारत और चीन भी शामिल थे। मतदान के दौरान असेंबली हॉल में माहौल तनावपूर्ण दिखा। प्रस्ताव को लेकर किए गए मतदान के नतीजे स्क्रीन पर दिखाए गए, जिसमें दुनिया दो धड़ों में बंटती नजर आई।

एक सुर में ईरान के साथ खड़े हुए भारत, पाकिस्तान और चीन

आम तौर पर भारत इस तरह के विवादित प्रस्तावों पर सीधे 'हां' या 'ना' वोट देने की बजाय 'तटस्थ' रहने की कूटनीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने तटस्थ रहने के बजाय सीधे 'ना' वोट किया। जिन देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया उनमें भारत, चीन, पाकिस्तान, इराक, वियतनाम, इंडोनेशिया और क्यूबा शामिल थे। यह दुर्लभ मौका था, जब किसी अंतरराष्ट्रीय पर भारत और उसके पड़ोसी देश चीन व पाकिस्तान ने एक ही पक्ष की तरफ वोट किया।

किन पश्चिमी देशों ने किया प्रस्ताव का समर्थन?

इस प्रस्ताव के समर्थन में 25 देशों ने वोट किया। इनमें प्रमुख रूप फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, कोस्टा रिका, चिली जैसे देश शामिल थे।

वोटिंग के दौरान तटस्थ रहे ये देश

वहीं, वैश्विक दक्षिण के कई देशों ने मतदान से दूरी बनाई। कुल 14 सदस्यों देशों ने मतदान से परहेज किया। यानी इन देशों ने वोटिंग के दौरान तटस्थ रहने का विकल्प चुना। इनमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कतर, कुवैत, मलयेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं।

भारत ने क्यों प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया?

पारंपरिक रूप से विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर तटस्थ रहने की नीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने सीधे विपक्ष में वोट दिया है। इसके भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में तनाव है। यूएनएचआरसी में अपने वोट से भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम के किसी भी दबाव में नहीं आएगा। ईरान के साथ भी भारत के मजबूत संबंध रहे हैं। अमेरिकी की ओर से सख्त प्रतिबंध लगाए जाने से ईरान भारत की उर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता रहा। इसके अलावा, रणनीति रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के लिए ईरान भारत के अहम है। विशेषज्ञों की मानें तो भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है।

'बाहर के लोगों ने की हिंसा', प्रदर्शन को लेकर ईरान का बड़ा दावा; कहा- थोपा गया तो युद्ध के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत भेजने वाले बयान के बाद अब ईरान ने भी नई चेतावनी जारी की है। ईरान ने कहा है कि अगर जबरन थोपा गया तो ईरान भी युद्ध के लिए तैयार है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के विशेष दूत डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही भारत दौरे पर हैं। डॉ. इलाही ने मीडिया के साथ इंटरव्यू में ईरान के मौजूदा हालात, प्रदर्शन में लोगों की मौत और पश्चिमी देशों की धमकी पर खुलकर बात की।

इंटरव्यू के दौरान क्या बोले खामेनेई के विशेष दूत डॉ. इलाही

ईरान के मौजूदा हालात पर डॉ. इलाही ने कहा, ईरान में दो स्थिति हैं, जिनमें से एक हकीकत है और दूसरी सिर्फ कल्पना। कुछ पत्रकारों, दुश्मनों और अन्य लोगों ने ऐसी कल्पना बनाई है, जो हकीकत से कोसों दूर है।

हमारे देश में आर्थिक समस्याएं हैं और कुछ लोग इससे नाराज भी हैं, लेकिन ये परिस्थितियां अन्य देशों ने हम पर प्रतिबंध लगाकर बनाई हैं। कुछ लोग इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैसा नहीं है, जैसा दिखाने की कोशिश की जा रही है।

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जो सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं है।

ईरान के विरोध प्रदर्शन में हजारों लोगों के मारे जाने के सवाल पर ईरानी नेता ने कहा, कुछ कथित मानवाधिकार संगठनों ने अमेरिकी सांसदों से इंटरव्यू के बाद ईरान में हजारों लोगों के मारे जाने का दावा किया है, लेकिन ये आंकड़े पूरी तरह से फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनों के दौरान कुछ लोग मारे गए हैं, लेकिन उनकी संख्या साफ नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने आम नागरिकों पर हमला किया, पुलिस पर हमला किया और कई पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। ऐसे लोग हालात का फायदा उठाना चाहते थे। जिसके चलते सख्ती बरती गई। लेकिन जो आंकड़े पेश किए जा रहे हैं, वे अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े संगठनों के हैं और ये सही नहीं हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में हिमस्खलन से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत, आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भारी बर्फबारी के कारण हुए हिमस्खलन में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। हिमस्खलन के कारण उनका पूरा घर बर्फ में दब गया।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, बर्फबारी के कारण शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया। कई सड़कें बंद हो गईं, यात्री फंस गए और भीषण ठंड के बीच बिजली और राहत कार्य प्रभावित हुए। शुक्रवार दोपहर खैबर पख्तूनख्वा के चितराल जिले के दक्षिणी इलाके में स्थित सेरीगल गांव के एक घर को हिमस्खलन ने अपनी चपेट में ले लिया।

कैसे हिमस्खलन के चपेट में आया घर?

निचले चितराल के उपायुक्त हाशिम अजीम ने बताया कि मलबे से सभी मृतकों के शव निकाल लिए गए।

उन्होंने बताया कि इस हादसे में नौ साल का एक बच्चा बच गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इलाके में 20 इंच से अधिक बर्फबारी हुई थी।

पास के चरागाह से भारी मात्रा में हिमस्खलन हुआ और पहाड़ी गांव में स्थित अकेले घर को अपने साथ बहा ले गई।

हिमस्खलन से कितने लोगों की मौत हुई और क्या असर पड़ा?

मृतकों की पहचान बाचा खान, उनकी पत्नी, तीन बेटे, दो बेटियां और दो बहुओं के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य घर के बीच वाले कमरे में खाना खा रहे थे। चितराल घाटी में अरंदू से लेकर ब्रोघिल तक 36 घंटे से अधिक समय तक लगातार बर्फबारी होती रही, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई।

कई सड़कों पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई, जिससे हजारों यात्री करीब 18 घंटे तक फंसे रहे। शुक्रवार शाम को बर्फ हटाए जाने के बाद कुछ जगहों पर यातायात बहाल हो सका। ऊपरी और निचले चितराल की कई सड़कें अब भी भारी बर्फबारी के कारण बंद हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद में आई भारी कमी

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच कार्यक्रम से इतर मीडिया से बात करते हुए कहा, 'भारतीय रिफाइनरीज ने मॉस्को से तेल खरीद में भारी कटौती की है, जिसके बाद टैरिफ (अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ) कम होने की राह खुल गई है।'

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि टैरिफ लगाने का फायदा मिला। बेसेंट ने कहा, 'यह सफल रहा, 25 प्रतिशत टैरिफ अभी भी लागू है, लेकिन मुझे लग रहा है कि अब इसे वापस लेने की राह बन रही है।' भारत पर अभी अमेरिका ने 50 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इनमें से 25 प्रतिशत टैरिफ, भारत द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में लगाया गया है।

एनबीडब्ल्यू जारी होने के बाद भी सुल्तानपुर के सांसद को पुलिस क्यों नहीं कर रही गिरफ्तार- दारा सिंह निषाद

गोरखपुर। बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता दारा सिंह निषाद ने प्रेस वार्ता के माध्यम से कहा कि MP-MLA न्यायालय गोरखपुर द्वारा दिनांक 31-10- 2025 से आज तक 16 बार न्यायालय द्वारा "गिरफ्तारी वारंट" होने के बाद भी गोरखपुर की पुलिस रामभुआल निषाद को गिरफ्तार करने में असमर्थ है। 27 जनवरी 2026 को श्री निषाद ने प्रेस क्लब गोरखपुर में प्रेस वार्ता के माध्यम से कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एमपी एमएलए के मुकदमों में एक सर्कुलर जारी किया गया है जिसमें एमपी एमएलए के मुकदमों को प्रतिदिन सुनवाई करके एक वर्ष के भीतर डिस्पोजल किया जाना चाहिए, लेकिन 22 वर्ष बीत जाने के बाद भी मामले को ठंडा झोली में डाल दिया गया है। दारा सिंह निषाद ने गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रेस वार्ता के माध्यम से सवाल किया है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री तथा वर्तमान समाजवादी पार्टी के सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ कोर्ट द्वारा बार-बार गिरफ्तारी वारंट होने के बाद भी थाना बड़हलगंज की पुलिस आखिर उन्हें गिरफ्तार करने में असमर्थ है आखिर क्यों..? उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से सवाल खड़े किए कि अखिलेश जी सिर्फ चुनाव के समय भारतीय संविधान के

रक्षा की बात करते हैं तथा यह भी कहते हैं कि देश भारतीय संविधान से चलेगा परंतु यहां आपके ही पार्टी के सुल्तानपुर के सांसद रामभुवाल निषाद भारतीय संविधान एवं न्यायालय का बार-बार उल्लंघन कर रहा है जबकि गोरखपुर के एमपी एमएलए न्यायालय द्वारा बार-बार गिरफ्तारी वारंट होने के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं, इससे यह साफ साफ स्पष्ट होता है कि आपका कथनी एवं करनी में काफी अंतर है। दारा सिंह निषाद ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को प्रेस वार्ता के माध्यम से कहा अगर आप संविधान पर भरोसा करते हैं तो ऐसे अपराधी सांसद रामभुआल निषाद जिसके ऊपर लगभग दो दर्जन से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज है, ऐसे अपराधी सांसद को पार्टी में रहने से यह प्रतीत होता है कि यह अपराधियों की पार्टी है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं उनके इस नीति में उनके ही नगर में यह बड़ा अपराध आखिर किसके सह पर हो रहा है। श्री निषाद की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग है कि वे स्थानीय गोरखपुर पुलिस प्रशासन को निर्देश देवें की सुल्तानपुर के समाजवादी पार्टी के सांसद रामभुवाल निषाद को गिरफ्तार कर जेल में भेजा जाए ताकि सम्बंधित मामले में गोरखपुर न्यायालय निष्पक्ष कार्यवाही कर सके।

हॉक स्पोर्ट्स का हाई वोल्टेज रन चेज: आखिरी ओवर के रोमांच में अनुराग यादव के लागतार चार छक्के ने मारी बाजी

हॉक स्पोर्ट्स माउंट लिट्रा जी स्कूल कुसम्ही के ग्राउंड पर नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और हॉक स्पोर्ट्स के बीच टी-20 मैच खेला गया जिसमें हॉक स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 214 रनों का विशाल स्कोर बनाया। जिसमें अमान शाह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों पर 15 चौके और 9 छक्के लगाकर नाबाद 147 रनों का शतकीय पारी खेला। करण कुमार ने 35 रन,अर्णव निषाद ने 10 रन और दीपक यादव ने 9 रनों का योगदान दिया। हॉक स्पोर्ट्स कि तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनमोल सिंह ने दो विकेट और कृष्ण मोहन सिंह, अनुराग यादव और केशव सिंह ने एक-एक विकेट लिया। दूसरे इनिंग में मात्र 19.4 ओवरों में हॉक स्पोर्ट्स के बल्लेबाजों ने 217 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीत लिया। हॉक स्पोर्ट्स कि तरफ से अनुराग यादव ने जवाबी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 50 गेंदों ही 5 चौके और 11 छक्के लगाकर नाबाद 109 रनों का शतक जड़ा और आखरी ओवर में 20 रन बनाने थे और अनुराग यादव ने लागतार चार छक्के लगाकर मात्र चार गेंद में ही टीम को जीत दिलाया। और सौभाग्य चतुर्वेदी ने 30 रन, कृष्ण मोहन सिंह ने 25 रन, आर्यन निषाद ने 18 रन और अमन यादव ने नाबाद 13 रनों का योगदान दिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी कि तरफ से गेंदबाजी करते हुए पार्थ यादव ने दो विकेट और दुर्गेश पाण्डेय, प्रियांशु उपाध्याय और सूरज दुबे ने एक-एक विकेट लिया। इस मैच का प्लेयर ऑफ द मैच का ट्रॉफी अनुराग यादव को दिया गया।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस पार्टी से दिया इस्तीफा, यूपी में सियासी हलचल तेज

लखनऊ (संवाददाता)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के

प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस कदम से सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है और कांग्रेस को एक बड़ा झटका माना जा रहा है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा कि वह काफी समय से पार्टी की कार्यशैली और आंतरिक हालात से असहज महसूस कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, संगठन में उनकी भूमिका और सुझावों को अपेक्षित महत्व नहीं मिलने से वह नाराज चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने सार्वजनिक रूप से किसी व्यक्ति विशेष पर सीधा आरोप लगाने से परहेज किया है। आप को बता दें कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वह बहुजन समाज पार्टी की सरकार में मंत्री रह चुके हैं और लंबे समय तक मायावती के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। बाद में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रांतीय अध्यक्ष बनाकर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। कांग्रेस नेतृत्व नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मुस्लिम समुदाय के एक मजबूत चेहरे के रूप में आगे बढ़ा रहा था। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने के लिए उनकी भूमिका अहम मानी जा रही थी। ऐसे में उनका इस्तीफा पार्टी की रणनीति को प्रभावित कर सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी के इस्तीफे से कांग्रेस को न केवल संगठनात्मक नुकसान होगा, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पकड़ पर भी असर पड़ सकता है। वहीं, उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। चर्चा है कि वह किसी अन्य दल में शामिल हो सकते हैं या फिलहाल राजनीति से कुछ समय का ब्रेक भी ले सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस की ओर से इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी के जाने से उत्तर प्रदेश कांग्रेस की सियासत में एक खालीपन जरूर पैदा हुआ है।

माघ स्नान पर्व पर बारी समाज सेवा समिति द्वारा महात्मा गांधी मार्ग पर विशाल भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। माघ स्नान के पावन पर्व के अवसर पर दिनांक 25 जनवरी 2025 को बारी समाज सेवा समिति, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश, रजिस्टर्ड) के तत्वावधान में महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के नेतृत्वकताओं द्वारा श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। भंडारे का शुभारंभ मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर समिति की महिला अध्यक्ष श्रीमती कमला रावत, श्रीमती बिनु वर्मा, श्रीमती रंजीता रावत एवं श्रीमती सीता रावत ने विधिवत पूजा कर कार्यक्रम का आरंभ किया। कार्यक्रम में समिति के संस्थापक मनोज कुमार रावत, प्रदेश अध्यक्ष अंकुर बारी, महामंत्री जयशंकर रावत उर्फ बबलु, उपाध्यक्ष अनुराग रावत, महानगर अध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार रावत, अंशु रावत, सोनू रावत सहित मेडिकल हॉस्पिटल के डॉक्टरों, कर्मचारियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने तन, मन और धन से सहयोग करते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन का उद्देश्य सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा।

हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को बीच में रोके जाने अखण्ड आर्यावर्त महासभा आगबबूला

लखनऊ (संवाददाता)। भगवान श्रीराम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर निकाली गयी हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को बीच में रोके जाने को लेकर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ कारवाई के साथ जवाब मांगा है कि आखिर ऐन वक्त पर यात्रा को अनुमति क्यों नहीं दी गयी, जबकि लगभग बीस दिन पहले से ही संगठन ने जिला प्रशासन से अनुमति मांगी थी, जिस पर कोई निर्णय न देकर संगठन को यात्रा निकाले जाने को लेकर अंधेरे में रखा। मालूम हो कि संगठन पिछले लगभग 2 महीने से हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को लेकर तैयारी कर रहे थे, और इसी क्रम में कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय से यात्रा को भाजपा के एमएलसी पवन सिंह चैहान ने भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया था, जिसे हनुमान सेतु पहुंचकर समाप्त होनी थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने बीच रास्ते में यात्रा को तितर-बितर कर गुलाचीन मन्दिर के आगे बढ़ने नहीं दिया।

अलग-अलग सड़क हादसे में 3 की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। दुबग्गा इलाके में दोस्त के साथ बर्थडे पार्टी से लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में ब्लिंकइट के कर्मचारी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं गोमती नगर विस्तार इलाके में बाइक फिसलने से रिटायर्ड सैनिक की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। अलीगंज सबोली सेक्टर-सी निवासी धीरज (30) टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी में आढ़त का काम करते थे। भाई लवकुश ने बताया शुक्रवार शाम दोस्त चंदा के साथ बुलेट बाइक से निकले थे। दोनों काकोरी में रहने वाले दोस्त अजय के घर बर्थडे पार्टी में गए थे। वहां से लौट रहे थे। तभी रात करीब 11 बजे घैला पुल पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने धीरज को मृत घोषित कर दिया, जबकि चंदा का इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस का कहना है अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी। करौरवा नगराम निवासी शिवम कुमार (20) पुत्र भारत लाल ब्लिंकइट में नौकरी करता था। शुक्रवार शाम अपनी बाइक से नगराम से खजौली की तरफ आ रहा था। तभी पेट्रोल पंप से पहले अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने मृत कर दिया। चचेरे भाई गोविंद ने बताया घटना की सूचना शनिवार सुबह 7 बजे पुलिस के जरिए मिली। शिवम ने 10 दिन पहले ही ब्लिंकइट में नौकरी ज्वाइन की थी। नौकरी करने के लिए अपनी मामा की एचएफ डीलक्स गाड़ी ली थी। उसी से लौटते समय हादसा हो गया। शिवानी खेड़ा तेलीबाग निवासी ओबैस खान (61) आर्मी से रिटायर्ड है। शनिवार सुबह परेड की रिहर्सल के लिए जा रहे थे। ह20 रोड पर सुबह करीब 8.00 बजे उनकी बाइक स्लिप हो गई, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटआई। पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

Why hasn't the Sultanpur MP been arrested even after an NBW was issued? - Dara Singh Nishad

Gorakhpur. Senior Bahujan Samaj Party leader Dara Singh Nishad, addressing a press conference, stated that despite the MP-MLA court in Gorakhpur issuing an arrest warrant 16 times since October 31, 2025, the Gorakhpur police have been unable to arrest Ram Bhual Nishad.“On January 27, 2026, Mr. Nishad, speaking at a press conference at the Gorakhpur Press Club, said that the Supreme Court had issued a circular regarding cases against MPs and MLAs, stating that these cases should be heard daily and disposed of within a year. However, even after 22 years, the case has been put on the back burner.“Dara Singh Nishad questioned the Senior Superintendent of Police of Gorakhpur through the press conference, asking why the police of Barhalganj police station are unable to arrest former Uttar Pradesh minister and current Samajwadi Party MP Ram Bhual Nishad, despite repeated arrest warrants issued by the court.“He also questioned the National President of the Samajwadi Party and former Chief Minister of Uttar Pradesh, Akhilesh Yadav, asking why he only talks about protecting the Indian Constitution during elections and claims that the country will be governed by the Indian Constitution, while his own party's MP from Sultanpur, Ram Bhual Nishad, is repeatedly violating the Indian Constitution and the court's orders by not appearing in court despite repeated arrest warrants issued by the Gorakhpur MP-MLA court. This clearly shows a significant difference between his words and actions.“Dara Singh Nishad told former Uttar Pradesh Chief Minister Akhilesh Yadav through the press conference that if he believes in the Constitution, then allowing a criminal MP like Ram Bhual Nishad, who has more than two dozen criminal cases registered against him, to remain in the party gives the impression that it is a party of criminals. He also stated that Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, who talks about zero tolerance, should explain how such a major crime is being committed in his own city, and under whose protection. Mr. Nishad demanded that Chief Minister Yogi Adityanath instruct the local Gorakhpur police administration to arrest and imprison Ram Bhuwal Nishad, the Samajwadi Party MP from Sultanpur, so that the Gorakhpur court can conduct an impartial investigation into the matter.

Arijit Singh retires from playback singing, says he is going back to Indian classical music: ‘It was a wonderful journey’

It’s a rather sombre day for lovers of Hindi film music, as playback singer Arijit Singh has announced that he is hanging up his boots and stepping away from Bollywood playback singing. On Tuesday evening, Arijit took to his private account on X to share the news. This announcement comes just days after the release of his latest song, “Maatrubhumi,” from Salman Khan’s upcoming film Battle of Galwan. He recently also sang the song “Hum Toh Tere Hi Liye The” from O Romeo by Vishal Bhardwaj. Arijit wrote on X, “Hello, Happy New Year to all. I want to thank you all for giving me so much of love all these years as listeners. I am happy to announce that I am not gonna be taking any new assignments as a playback vocalist from now on. I am calling it off. It was a wonderful journey.” He immediately followed up with another post, adding, “GOD has been really kind to me. I am a fan of good music and in future will be learning more and do more on my own as a small little artist. Thanks again for all your support.” Arijit Singh Arijit Singh has retired from playback singing. Arijit clarified that while he is stepping back from new playback assignments, he won’t stop making music and will still complete some pending projects. He wrote: “I still have to finish some pending commitments will finish them. So you might get some releases this year.” As fans speculated about the reasons behind his decision, Arijit offered insight: “There is not one reason behind this, there are several reasons plus I have been trying to do this since a long time. Finally I have gathered the right

courage. One of the reasons were simple, I get bored pretty quick, that’s why I keep changing arrangements of the same songs and perform them on stage. So here is the thing, I got bored. I need to do some other music to live.”

Going back to Indian Classical Music

He added with candid excitement: “Another reason is I am excited to hear some singer come up and give me real motivation.” When asked by a fan whether he was just jumping and playing with emotions by tweeting this, Arijit firmly replied: “Not at all, I never wanna play with anyone’s emotions.” He also assured fans that while he is stepping away from Bollywood playback singing, he will remain deeply connected to music, particularly Indian classical music: “I am going to go back to Indian Classical Music. I wanna go back to making music. I wanna start again.” Sharing a glimpse of his future plans, he added: “I will make my own music. Will come up with my music whenever I am ready.” With a touch of humor, he concluded: “Ab aayega maza!! (Now, there will be fun)” Arijit Singh first rose to prominence more than a decade ago with Mohit Suri’s Aashiqui 2 and went on to deliver chart-topping hits in films like Yeh Jawaani Hai Deewani, Tamasha, Ae Dil Hai Mushkil, Airlift and several others. Over the years, there has scarcely been a mainstream Hindi film without his voice in its songs.

Republic Day shocker: MP school students served midday meal on torn notebook pages, principal to be suspended

Students of a school in Madhya Pradesh’s Maihar

district were served their special Republic Day midday meal on scraps of paper, including torn notebook pages, triggering outrage after a video of the incident went viral. The district administration has subsequently ordered disciplinary action against senior school officials. The incident occurred on January 26 at the Government High School in Bhatigwan village, where students sitting on the floor were served puri and halwa on ink-stained pages torn from old books. After a video of the incident was widely circulated on social media, the district administration took cognisance of the matter. Maihar District Collector Rani Batad said action had already been initiated against those responsible. “We have taken cognisance of the incident. Action has been initiated against the concerned officials, and a proposal has been sent to suspend the principal of the school,” she said. Public Relations Officer for Satna and Maihar, Rajesh Singh, said the administration acted after receiving a detailed inquiry report. “Based on the investigation report submitted by District Project Coordinator Vishnu Tripathi, a proposal to suspend the in-charge principal of Government High School Bhatigwan, Sunil Kumar Tripathi, has been forwarded to the Commissioner, Rewa division,” Singh said. He added that financial penalties had also been imposed. “The salary of contract employee and Block Resource Coordinator Pradeep Singh has been deducted for one month.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।